भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 488

जिसका उत्तर 23 जुलाई, 2025 को दिया जाना है

कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मास्टर प्लान

488. श्री सौमित्र खानः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) को क्रियान्वित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने उक्त योजना को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत शुरू की गई कोयला परियोजनाओं का विशेष रूप से पश्चिम बंगाल सहित राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त योजना के शुरू होने के बाद कोयला उत्पादन और प्रेषण क्षमता में कितनी वृद्धि हुई है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) अवसंरचना परियोजनाओं की एकीकृत आयोजना और समन्वित निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए 13 अक्टूबर 2021 को शुरू किया गया था। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की परियोजना रिपोर्टों का विश्लेषण कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत आयोजना हेतु पीएमजीएस-एनएमपी पोर्टल पर उपलब्ध सूचना के आधार पर किया जाता है।

(ख): वर्ष 2024 से भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई/संबलपुर द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यपालकों के लिए एक वर्ष की अवधि के "डिजिटलीकरण के माध्यम से लॉजिस्टिक्स एवं

प्रचालन उत्कृष्टता" में एक कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स) आयोजित करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है।

(ग): अक्टूबर, 2021 में पीएमजीएस-एनएमपी की शुरूआत के बाद से, सीआईएल ने झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्यों में स्थित 80.58 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की संयुक्त क्षमता वाली 12 कोयला खनन परियोजनाओं का प्रचालन किया है। इनमें से पश्चिम बंगाल राज्य में 8.36 एमटीपीए की क्षमता के साथ 3 कोयला खनन परियोजनाएं प्रचालित की गई हैं।

(घ): भारत का घरेलू कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2021-22 में 778.21 मिलियन टन (मि.ट.) से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 1047.68 मि.ट. हो गया है, जो 34% से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है, जबकि कोयले का प्रेषण लगभग 25% की वृद्धि दर्ज करते हुए 819.36 मि.ट. से बढ़कर 1025.36 मि.ट. हो गया है।

***